



# फर्द अहकाम

नाम न्यायालय  
केस संख्या

बनाम

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>शायी का प्राथम-पत्र (29/11/2017) का-विज्ञा कि कार्य प्राण कयाथी किया है शायी का पूरा वाउ विज्ञा किया जा चुका है अतः शायी का प्राथम-पत्र (29/11/2017) कि-कर्म का-स्वीकार किया जाता है अतः शायी का प्राथम-पत्र (29/11/2017) कि-कर्म प्राणक स्वीकार किया जाकर विज्ञा कर्म की-अज्ञाति शरण की जाती है पत्रपत्रों को-कर्म अगरे हीकर इस-कर्म से-कर्म लपत हो-कर्म देपतर है</p>